।। श्री कल्याणराय प्रभु विंजयते ।।

षष्ठ गृह के व्रतोत्सव टिप्पणी

षष्ठ पीठाधिश्वर पू.पा.गो.१०८
श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री की आज्ञा से
प्रकाशित

विक्रम संवत् २०८२
काल नाम संवत्सरे शालिवाहन शके १९४७ (1947)
विश्वासु नाम संवत्सरे श्री वल्लभाब्द ५४७-५४८ (547-548)
ई.स. 2025-2026

Scanned with CamScanner

।। श्री कल्याणराय प्रभु विंजयते ।।

षष्ठपीठाधिश्वर प.पू.गो.१०८
श्री द्वारकेशलालजी (श्री गिरधरलालजी) महाराजश्री
मार्गशीर्ष कृष्ण ४ (संवत २०२४)

श्री आश्रयकुमारजी (श्री वल्लभलालजी)
फाल्गुन कृष्ण १२ (संवत २०५३)

श्री शरणमकुमारजी (श्री विट्ठलनाथजी)
जेष्ठ शुक्ल ८ (संवत २०५६)

चि. गो. श्री यदुराजजी (श्री यादुपतिजी)
मार्गशिर्ष कृष्ण ४ (संवत २०७७)

षष्ठपीठ एवं श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री के अंतर्गत सभी हवेली एवं मंदिर इस अनुसार वर्षोत्सव मनायें ।

Scanned with CamScanner

॥ श्री कल्याणराय प्रभु र्विजयते ॥
॥ श्री गोपीजन वल्लभाय नमः ॥
॥ श्री मदाचार्यचरण कमलेभ्यो नमः ॥
॥ श्री यदुनाथ महाप्रभु र्विजयते ॥

षष्ठ गृह (पीठ) की

व्रतोत्सव

टिप्पणी

सन् 2025-2026

Scanned with CamScanner

टिप्पणी

टिप्पणी प्राप्ति स्थान

षष्ठपीठ, श्री कल्याणरायजी हवेली,
बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.
फोन नं. (0265) 2423322, 2426942
Email: kalyanraijimandir@outlook.com

Scanned with CamScanner

चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४७

संवत २०८२			मार्च - अप्रैल - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	30	सन २०२५, संवत्सरोत्सवः, गुडी पडवा । चैत्र नवरात्र प्रारंभ । इष्टिः ।
२	सोम	31	तृतिया को क्षय । श्री यदुनाथजी के ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) को उत्सव संवत (१९३४) लाल गणगौर तृतिया को क्षय होयवे सू आज ।
४	मंगल	01	अप्रैल । हरी गणगौर ।
५	बुध	02	गुलाबी गणगौर ।
६	गुरु	03	श्री विठ्ठलनाथजी के षष्ठ आत्मज आद्य षष्ठ गृहाधीश श्रीयदुनाथजी महाराजजी को उत्सव (संवत १९१५) । यमुना छठ्ठ । केसरी गणगौर ।
७	शुक्र	04	----
८	शनि	05	----
९	रवि	06	श्री रामनवमी जयंती व्रत ।
१०	सोम	07	श्री रामनवमी व्रत के पारणा ।
११	मंगल	08	कामदा एकादशी व्रत । श्री महाप्रभुजी के उत्सव की वधाई (१५ दिन)
१२	बुध	09	----
१३	गुरु	10	----
१४	शुक्र	11	----
१५	शनि	12	लघु रासोत्सव, चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नानारम्भ ।

Scanned with CamScanner

वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद)

श्री वल्लभाब्द ५४७ - ५४८

संवत २०८२			अप्रैल - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	13	ईष्टिः । प्रतिपदा वृद्धि तिथी ।
१	सोम	14	मेष संक्राति । श्री प्रभु आज सतुवा गोपी वल्लभ / राजभोग में आरोगे । पूण्यकाल सूर्योदय सूं मद्याह्न १२.३९ पर्यन्त है । श्री कूं भोग धरके दान पुण्यादि करने
२	मंगल	15	----
3	बुध	16	विद्यमान षष्ठ गृहाधिश गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री गोद पधारे, तिलक उत्सव (संवत २०४६)
४	गुरु	17	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बडी बधाई (८ दिन)।
५	शुक्र	18	----
६	शनि	19	----
७	रवि	20	पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत 3) के उत्सव की बधाई ।
८	सोम	21	----
९	मंगल	22	----
१०	बुध	23	----
११	गुरु	24	वरुथिनी एकादशी व्रत । श्री महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (संवत १५३५) । श्री वल्लभाब्द ५४८ को प्रारम्भः । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत 3) को उत्सव (संवत १९६०) ।
१२	शुक्र	25	----
१३	शनि	26	चतुदर्शी को क्षय ।
३०	रवि	27	दर्श अमावस्या ।

Scanned with CamScanner

वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			अप्रैल - मई - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	28	ईष्टिः ।
२	मंगल	29	----
३	बुध	30	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि ।
४	गुरु	01	मई ।
५	शुक्र	02	पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, राजनगर ।
६	शनि	03	----
७	रवि	04	----
८	सोम	05	----
९	मंगल	06	----
१०	बुध	07	----
११	गुरु	08	मोहिनी एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	09	----
१३	शनि	10	----
१४	रवि	11	श्री नृसिंह जयंती व्रत ।
१५	सोम	12	पूर्णिमा । वैशाख स्नान समाप्ति ।

Scanned with CamScanner

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			मई - 2024
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	13	ईष्टिः ।
२	बुध	14	श्री प्रभु के फूल के श्रृंगार को प्रारंभ । षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को प्रथम पाटोत्सव । छप्पनभोग उत्सव(संवत २०६७) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत ।
३	गुरु	15	----
४	शुक्र	16	----
५	शनि	17	पंचमी वृध्धी तिथि ।
५	रवि	18	----
६	सोम	19	----
७	मंगल	20	अष्टमी को क्षय ।
९	बुध	21	----
१०	गुरु	22	----
११	शुक्र	23	अपरा एकादशी व्रत ।
१२	शनि	24	----
१३	रवि	25	सूर्य रोहिणी में । आज प्रातः के ९.३० बजे सूं ज्येष्ठ शुक्ल १२ रवि, प्रातः के ७.१७ मिनीट तक सूर्य रोहिणी नक्षत्र में है । तासु इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है ।
१४	सोम	26	सोमवती दर्श-भावुका अमावस्या ।
३०	मंगल	27	ईष्टिः । अन्वाधान ।

Scanned with CamScanner

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			मई - जून - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	बुध	28	एकम को क्षय । श्री यदुनाथजी के चतुर्थ आत्मज श्री बालकृष्णजी को उत्सव (संवत १९४४) ।
३	गुरु	29	----
४	शुक्र	30	----
५	शनि	31	----
६	रवि	01	जून ।
७	सोम	02	श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) के उत्सव की बधाई ।
८	मंगल	03	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि.शरणमकुमारजी)(संवत २०५६)
९	बुध	04	----
१०	गुरु	05	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव ।
११	शुक्र	06	श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) को उत्सव (संवत १७८३) ।
१२	शनि	07	निर्जला एकादशी व्रत ।
१२	रवि	08	द्वादशी की वृध्धी ।
१३	सोम	09	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्री नटवर प्रभु निज गृह बडोदा में संग बिराजे (संवत २०१५) ।
१४	मंगल	10	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो ।
१५	बुध	11	स्नानयात्रा । ज्येष्ठाभिषेक । प्रातः मंगला के बाद श्री प्रभु को सूर्योदय पूर्व स्नान करावे ।

Scanned with CamScanner

आषाढ कृष्ण पक्ष (गुज. जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जून - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म वर्षा ऋतु : रवि उत्तरायणे - दक्षिणायने
१	गुरु	12	ईष्टिः ।
२	शुक्र	13	----
3	शनि	14	----
४	रवि	15	----
५	सोम	16	----
६	मंगल	17	----
७	बुध	18	----
८	गुरु	19	श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) के उत्सव की बधाई ।
९	शुक्र	20	----
१०	शनि	21	एकादशी को क्षय । दक्षिणायन प्रारंभ, वर्षाऋतु प्रारंभ ।
१२	रवि	22	योगिनी एकादशी व्रत । श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) को उत्सव (संवत १७१७) ।
१३	सोम	23	----
१४	मंगल	24	----
३०	बुध	25	दर्श अमावस्या । अन्वाधान ।

Scanned with CamScanner

आषाढ शुक्ल पक्ष (गुज. आषाढ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जून - जुलाई - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	26	ईष्टिः ।
२	शुक्र	27	----
३	शनि	28	रथयात्रा ।
४	रवि	29	----
५	सोम	30	श्री द्वारकाधीशजी को पाटोत्सव (काँकरोली) (संवत १७२०) ।
६	मंगल	01	जुलाई । कसुम्बा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव ।
७	बुध	02	----
८	गुरु	03	----
९	शुक्र	04	----
१०	शनि	05	बैंगन दशमी ।
११	रवि	06	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ ।
१२	सोम	07	----
१३	मंगल	08	----
१४	बुध	09	----
१५	गुरु	10	गुरु पूर्णिमा । चातुर्मास प्रारंभ । व्यास पूर्णिमा । कचोरी पूनम । पर्वात्मक उत्सव । चातुर्मास नियमारंभ एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो । ता मे पूर्णिमा मुख्य ।

Scanned with CamScanner

श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जुलाई - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	11	इष्टिः ।
२	शनि	12	हिन्डोरा आरम्भ ।
३	रवि	13	----
४	सोम	14	श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव (कामवन) श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव (गोकुल) ।
५	मंगल	15	----
६	बुध	16	----
७	गुरु	17	----
८	शुक्र	18	जन्माष्टमी की बधाई । केसरी घटा । श्री आश्रयकुमारजी के द्वितीय पुत्र चि. श्री कृष्णराजजी (श्री पद्युमनजी) को जन्मदिन (२०८१) ।
९	शनि	19	----
१०	रवि	20	----
११	सोम	21	कामिका एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	22	पीली घटा । श्री प्रद्युमनजी(टिकेत ५)के उत्सव कि बधाई । तेरस को क्षय होय वे सू आज ।
१४	बुध	23	----
३०	गुरु	24	हरियाली अमावस्या । दर्श अमावस्या । हरि घटा ।

Scanned with CamScanner

श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. श्रावण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जुलाई - अगस्त - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	25	इष्टिः। श्री प्रद्युमनजी(टिकेत ५)को उत्सव (संवत १७६२) लाल घटा।
२	शनि	26	श्री यदुनाथजी के तृतीय आत्मज श्री जगन्नाथजी को उत्सव (संवत १६४२)
३	रवि	27	ठकुरानी तीज मधुश्रवा ।
४	सोम	28	फिरोजी घटा ।
५	मंगल	29	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन ।
६	बुध	30	गुलाबी घटा ।
७	गुरु	31	सफेद घटा ।
८	शुक्र	01	अगस्त । अष्टमी की वृध्धी । इन्द्रधनुषी घटा ।
८	शनि	02	----
९	रवि	03	----
१०	सोम	04	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को द्वितीय पाटोत्सव । हेम हिन्डोला ।
११	मंगल	05	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा सायं उत्थापन में धरने । जन्माष्टमी की बडी बधाई ।
१२	बुध	06	पवित्रा बारस - गुरुनकूं पवित्रा धरावें ।
१३	गुरु	07	तेरस को बगीचा ।
१४	शुक्र	08	----
१५	शनि	09	रक्षाबंधन, श्रीनकु प्रातः श्रृंगार में रक्षा धरावें । आपस्थंभ हिरण्य केशीय, बौधायन, काण्व, माध्यंद्रिन, प्रभृति सर्व, ऋग्वेदीन, युर्जवेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी । जन्माष्टमी की भठ्ठी पूजा ।

Scanned with CamScanner

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (गुज. श्रावण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			अगस्त - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा- शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	10	इष्टिः ।
२	सोम	11	हिन्डोरा विजय सायं संध्या में ।
३	मंगल	12	कज्जली तीज ।
४	बुध	13	पंचमी को क्षय ।
६	गुरु	14	----
७	शुक्र	15	शयन में षष्ठी को उत्सव । विष्णुस्वामी प्राकटयोत्सव ।
८	शनि	16	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव ।
९	रवि	17	नंद महोत्सव ।
१०	सोम	18	----
११	मंगल	19	अजा एकादशी व्रत ।
१२	बुध	20	----
१३	गुरु	21	छठ्ठी को पलना ।
१४	शुक्र	22	शरद ऋतु प्रारंभ ।
३०	शनि	23	कुशग्रहणी-अमावस्या । ईष्टिः ।

Scanned with CamScanner

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (गुज. भादरवा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			अगस्त - सितंबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव — शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	24	श्री राधाष्टमी की बधाई (८ दिन) ।
२	सोम	25	----
३	मंगल	26	सामवेदीन की श्रावणी ।
४	बुध	27	गणेश चतुर्थी ।
५	गुरु	28	ऋषि पंचमी ।
६	शुक्र	29	----
७	शनि	30	श्री यदुनाथजी के द्वितीय आत्मज श्री रामचन्द्रजी को उत्सव (संवत १६३८)
८	रवि	31	श्री राधाष्टमी ।
९	सोम	01	सितंबर ।
१०	मंगल	02	----
११	बुध	03	परिवर्तिनी - दान एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	04	श्री वामन जयंति व्रत ।
१३	शुक्र	05	----
१४	शनि	06	----
१५	रवि	07	पूर्णिमा । साँझी को प्रारम्भ । खग्रास चंद्र ग्रहण । महालय प्रारंभ । ग्रहण को निर्णय पृष्ठ २५ में देखे ।

Scanned with CamScanner

आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			सितंबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	सोम	08	ईष्टिः ।महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ । श्राध्ध पक्ष को निर्णय पृष्ठ २७ में देखे ।
२	मंगल	09	द्वितीया को श्राद्ध ।
३	बुध	10	तृतीया को श्राद्ध । चतुर्थी को श्राद्ध ।
४	गुरु	11	पंचमी को श्राद्ध। श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२)के उत्सव की बधाई ।
५	शुक्र	12	षष्ठी को श्राद्ध ।
६	शनि	13	सप्तमी को श्राद्ध । सप्तमी को क्षय । श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) को उत्सव (संवत १९६२)। महादान मनोरथ निज मंदिर में ।
८	रवि	14	अष्टमी को श्राद्ध । व्यतिपात को श्राध्ध । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रीगोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (संवत १५८७) ।
९	सोम	15	नवमी को श्राद्ध, अविधवा नवमी । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (४ दिन),श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११) के उत्सव की बधाई ।
१०	मंगल	16	दशमी को श्राद्ध ।
११	बुध	17	एकादशी को श्राद्ध । इन्दिरा एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	18	द्वादशी को श्राद्ध । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १५६७)। श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११)को उत्सव (संवत १९२३)। महादान मनोरथ । दुहेंरा मंडान ।
१३	शुक्र	19	त्रयोदशी श्राद्ध । श्री गुसांइजी के तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव (संवत १६०६)। मघा श्राध्ध ।
१४	शनि	20	चतुर्दशी को श्राद्ध । शस्त्र हतन को श्राध्ध ।
३०	रवि	21	सर्वपितृ दर्श अमावस्या, अमावस्या श्राद्ध । कोट की आरती ।

Scanned with CamScanner

आश्विन शुक्ल पक्ष (गुज. आसो सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			सितंबर - अक्टूबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	सोम	22	इष्टिः । नवरात्रि प्रारम्भ । मातामह श्राध्ध । अंकुरारोपणम् ।
२	मंगल	23	----
३	बुध	24	श्री यदुनाथजी के पंचम आत्मज श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १९४७) । तृतीया की वृद्धि ।
३	गुरु	25	----
४	शुक्र	26	----
५	शनि	27	----
६	रवि	28	----
७	सोम	29	सरस्वती आवाहन , पूजनारंभः ।
८	मंगल	30	----
९	बुध	01	अक्टूबर ।
१०	गुरु	02	दशहरा (विजयादशमी)। सरस्वती विसर्जनम् । अंकुरार्पण भोग-संध्या में ।
११	शुक्र	03	पाशांकुशा एकादशी व्रत ।
१२	शनि	04	----
१३	रवि	05	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) के उत्सव की बधाई ।
१४	सोम	06	शरद पूर्णिमा - रासोत्सव ।
१५	मंगल	07	इष्टिः । कार्तिक स्नानारम्भ । दिन की शरद । एकम को क्षय । श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) को उत्सव (संवत १८१७) ।

Scanned with CamScanner

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गुज. आसो वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			अक्टुबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
२	बुध	08	प्रतिपदा को क्षय ।
३	गुरु	09	----
४	शुक्र	10	----
५	शनि	11	----
६	रवि	12	----
७	सोम	13	----
८	मंगल	14	----
९	बुध	15	----
१०	गुरु	16	हटडी आरंभ ।
११	शुक्र	17	रमा एकादशी व्रत । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८) के उत्सव की बधाई ।
१२	शनि	18	गोवत्स द्वादशी ।
१३	रवि	19	धन त्रयोदशी ।
१४	सोम	20	रुप चतुर्दशी । अभ्यंग - सूर्योदय पूर्व करानो । दीपावली, हटडी, कानजगाई । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८)को उत्सव (संवत १८३६) । श्री वल्लभलालजी(टिकेत १०)के उत्सव की बधाई ।
३०	मंगल	21	दर्श अमावस्या । गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव । गुर्जराणां वि. सं. २०८२ समाप्त ।

Scanned with CamScanner

कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कार्तिक सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			नवम्बर - 2024
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद - हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	22	इष्टि । गुर्जराणां नूतनवर्ष सं.२०८२ पिंगलनाम सवत्सर प्रारंभ । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) सुत श्री गोकुलनाथजी (२) को उत्सव (संवत १८९६) ।
२	गुरु	23	यम द्वितीया (भाईदूज)। हेमंत ऋतु प्रारंभ । श्री वल्लभलालजी (टिकेत १०) को उत्सव (संवत १९०७)।
३	शुक्र	24	----
४	शनि	25	----
५	रवि	26	लाभ पंचमी । श्री कल्याणराय प्रभु व्रज में पधारे (संवत २०६५) व्रजानंद महोत्सव ।
६	सोम	27	----
६	मंगल	28	----
७	बुध	29	----
८	गुरु	30	गोपाष्टमी ।श्री कल्याणराय प्रभु गोकुल के निज प्राचीन गृह-मंदिर में बिराजे(संवत २०६५)।
९	शुक्र	31	अक्षयनवमी। कुष्माण्डदान, कृतयुगादि। श्री कल्याणरायजी एवं श्री गिरिराजजी (जतीपुरा) को संग कुनवारा भयो(संवत २०६५)
१०	शनि	01	नवम्बर । श्री कल्याणराय प्रभु जतिपुरा श्री कल्याणरायजी मंदिर में बिराजे (सं. २०६५) ।
११	रवि	02	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) एकादशी व्रत देवोत्थापन सायं भोग संध्या में । उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (संवत १५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (संवत १६११)। द्वादशी को क्षय होयवे सूं आज ।
१३	सोम	03	श्री कल्याणराय प्रभु ,श्री गोकुल चंद्रमाजी,एवं श्रीमदनमोहनजी को संग छप्पन भोग उत्सव (कामवन) (सं २०६५) ।
१४	मंगल	04	----
१४	बुध्र	05	कार्तिक स्नान समाप्ति, चातुर्मास नियम समाप्ति, देवदिवाली । गोपमासारंभ ।

Scanned with CamScanner

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कार्तक वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			नवम्बर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	06	इष्टिः । गोपमास आरंभ । व्रतचर्या ।
२	शुक्र	07	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री छोटे मदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) ।
३	शनि	08	चतुर्थी को क्षय । छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री बडेमदनमोहनजी (मथुरा) (संवत २०६५) । विद्यमान टिकेत श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री (संवत २०२४) को जन्मदिन एवं आपके आत्मज श्री आश्रयकुमारजी के पुत्र चि. श्री यदुपतिजी (श्री यदुराजजी) को जन्मदिन (संवत २०७७)। चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज ।
५	रवि	09	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु राजाधिराज मंदिर मथुरा में बिराजे (संवत २०६५) ।
६	सोम	10	----
७	मंगल	11	छप्पनभोग उत्सव- विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०७३) ।
८	बुध	12	द्वितीय पुत्र श्री गोविंदरायजी को उत्सव (संवत १५९९), श्री कल्याणराय प्रभु काँकरोली पधारे (संवत २०६५) ।
९	गुरु	13	----
१०	शुक्र	14	----
११	शनि	15	उत्पत्ति एकादशी व्रत ।
१२	रवि	16	हरी घटा एवं सखडी को प्रथम मंगलभोग ।
१३	सोम	17	त्रयोदशी की वृध्धि । सप्तम पुत्र श्री घनश्यामजी को उत्सव (संवत १६२८)। श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को उत्सव (संवत १९६४) । केसरी घटा ।
१३	मंगल	18	----
१४	बुध	19	दर्श अमावस्या ।
३०	गुरु	20	अन्वाधान । श्याम घटा ।

Scanned with CamScanner

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (गुज. मागशर सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			नवम्बर - दिसंबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	21	ईष्टिः ।
२	शनि	22	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु बेठक मंदिर पधारे । नि. लि. तृ.गृ. श्री व्रजेशकुमारजी कृत (संवत २०४८) । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु, श्री नवनीतप्रियाजी, श्री द्वारकाधिशजी, श्री विठ्ठलनाथजी एवं श्री मथुराधिशजी (कांकरोली), विठ्ठल विलास बाग में पधारे नि. लि. तृ.गृ.श्री व्रजेशकुमारजी एवं विद्यमान ष.गृ. श्री द्वारकेशलालजी कृत(संवत.२०६५)।
३	रवि	23	----
४	सोम	24	श्री कल्याणरायप्रभु व्रजसे पुनः निजगृह-बडौदा पधारे २०६५ ।
५	मंगल	25	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) ।
६	बुध	26	----
७	गुरु	27	चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (संवत १६०८) छप्पनभोग उत्सव (संवत २०६५) विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत ।
८	शुक्र	28	----
०९	शनि	29	----
१०	रवि	30	श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री को विवाहोत्सव(सं.२०४९) ।
११	सोम	01	दिसंबर ।मोक्षदा एकादशी व्रत।
१२	मंगल	02	पीली घटा एवं सखडी को द्वितीय मंगलभोग ।
१३	बुध	03	छप्पनभोग उत्सव (सं.२०४१) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत ।
१४	गुरु	04	पूर्णिमा । श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने है । श्री दाउजी को पाटोत्सव । गोपमास व्रतचर्या समाप्ति । धनुर्मासारंभ । आज सूं एक मास पर्यन्त प्रभु को विशेषतः उष्णोपचार करनो ।

Scanned with CamScanner

पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			दिसंबर - 2025
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत - शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायने
१	शुक्र	05	इष्टिः ।
२	शनि	06	श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (८ दिन) ।
३	रवि	07	----
४	सोम	08	----
५	मंगल	09	----
६	बुध	10	----
७	गुरु	11	----
८	शुक्र	12	----
९	शनि	13	प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (श्री गुसांईजी) को उत्सव (संवत १९७२)
१०	रवि	14	----
११	सोम	15	सफला एकादशी व्रत । आज के दिन प्रभु को विशेषतः फल भोग में धरनो । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) के उत्सव की बधाई ।
१२	मंगल	16	सफेद घटा एवं सखडी को तृतीय मंगलभोग ।
१३	बुध	17	----
१४	गुरु	18	श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) को उत्सव (संवत १८६९) । छप्पन भोग उत्सव (संवत २०७४) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत ।
३०	शुक्र	19	दर्श अमावस्या ।

Scanned with CamScanner

पोष शुक्ल पक्ष (गुज. पोष सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			दिसंबर - 2025 - जनवरी - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	20	इष्टिः ।
१	रवि	21	----
२	सोम	22	----
३	मंगल	23	----
४	बुध	24	----
५	गुरु	25	----
६	शुक्र	26	श्रीमहाप्रभुजी (नरोडा बैठक) को पाटोत्सव ।
७	शनि	27	----
८	रवि	28	----
९	सोम	29	----
१०	मंगल	30	श्री बालकृष्णलालजी (श्री व्रजेशकुमारजी महाराज - कांकरोली) को उत्सव (सं. १९९६)
१२	बुध	31	पुत्रदा एकादशी व्रत ।
१३	गुरु	01	जनवरी - २०२६ । मेघश्याम घटा । सखडी को चतुर्थ मंगल भोग ।
१४	शुक्र	02	----
१५	शनि	03	पूर्णिमा । छप्पनभोग उत्सव (संवत २०१५) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत । माघस्नानारंभ ।

Scanned with CamScanner

माघ कृष्ण पक्ष (गुज. पोष वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जनवरी - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव — शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	04	----
२	सोम	05	----
३	मंगल	06	चतुर्थी को क्षय ।
५	बुध	07	----
६	गुरु	08	----
७	शुक्र	09	सप्तमी की वृध्धी तिथी । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणरायप्रभु, श्री महाप्रभुजी बेठक - नरोडा पधारे । विद्यमान ष.गृ.गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०७६) ।
७	शनि	10	----
८	रवि	11	----
९	सोम	12	----
१०	मंगल	13	भोगी उत्सव ।
११	बुध	14	षट्तिला एकादशी व्रत । तिल की सामग्री अवश्य भोग धरनी । तिल के दान भक्षणादि करने। मकर संक्राति । तिलवा भोग उत्थापन - भोग में आरोगे । ता पीछे दान-श्राद्धादि करने । अबके संक्राति बुधवार कूं प्रातः के ३.०७ बजे बैठे है ता सूं पूण्यकाल सूर्यास्त पर्यन्त है । गो.श्री आश्रयकुमारजी(वल्लभलालजी) को विवाह उत्सव । उत्तरायण । धर्नुमास की समाप्ति ।
१२	गुरु	15	लाल घटा ।
१३	शुक्र	16	----
१४	शनि	17	----
३०	रवि	18	दर्श अमावस्या ।

Scanned with CamScanner

माघ शुक्ल पक्ष (गुज. महा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			जनवरी - फरवरी - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	19	इष्टिः । छप्पनभोग उत्सव - गो.श्री वल्लभलालजी (चि.आश्रयकुमारजी)के विवाह उपलक्ष निज गृह (बडौदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७६)
२	मंगल	20	----
3	बुध	21	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री गोकुलचंद्रमाजी बडौदा निज गृह में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७०)
४	गुरु	22	----
५	शुक्र	23	वसंत पंचमी ।
६	शनि	24	----
७	रवि	25	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री मदनमोहनजी बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६२)। छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री लाडीलेशजी (सुरत) बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६३)
८	सोम	26	----
९	मंगल	27	----
१०	बुध	28	----
११	गुरु	29	जया एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	30	----
१३	शनि	31	चतुदर्शी को क्षय ।
१५	रवि	01	फरवरी । माघी पूर्णिमा । माघ स्नान समाप्ति । होरी दन्डा रोपणं - सूर्यास्त सायं ६.१८ पश्चात याही समय धमार को आरंभ ।

Scanned with CamScanner

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गुज. महा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			फरवरी - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर - वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	02	इष्टिः । छप्पनभोग उत्सव - पुष्टि पर्व अंर्तगत श्री कल्याणराय प्रभु नरोडा श्री महाप्रभुजी बैठक पधारे विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०६८) छप्पनभोग उत्सव - गो. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमुकुमारजी) के विवाह उपलक्ष निजगृह (बडोदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०७९) ।
२	मंगल	03	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु एवं सप्तम निधि श्री मदनमोहनजी संग में विवाह मनोरथ में बिराजे - षष्ठगृह बडोदा (सं २०७९) ।
३	बुध	04	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्रीनटवरलाल प्रभु संग असारवा बेठक में बगीचा मनोरथ में बिराजे (सं २०६८)
४	गुरु	05	गो. श्री विठ्ठलनाथजी(चि.शरणमुकुमारजी) को विवाह उत्सव (सं.२०७९)
५	शुक्र	06	----
६	शनि	07	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु श्री कल्याणपुष्टि हवेली (अहमदाबाद) में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत २०६८) ।
७	रवि	08	श्रीनाथजी को पाटोत्सव ।
८	सोम	09	अष्टमी की वृध्धि ।
८	मंगल	10	----
९	बुध	11	----
१०	गुरु	12	----
११	शुक्र	13	विजया एकादशी व्रत ।
१२	शनि	14	जन्मदिन चि. गो. श्री वल्लभलालजी (गो. श्री आश्रयकुमारजी) (संवत २०९३) ।
१३	रवि	15	शिवरात्री ।
१४	सोम	16	----
३०	मंगल	17	----

Scanned with CamScanner

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (गुज. फागण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			फरवरी - मार्च - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव — वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	18	इष्टिः ।
२	गुरु	19	----
३	शुक्र	20	----
४	शनि	21	----
५	रवि	22	नि.ली.श्री वल्लभलालजी एवं नि.ली.श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को विवाह उत्सव । बगीचा ।
६	सोम	23	श्री मथुराधीशजी को पाटोत्सव (कोटा) । श्री शरणम्कुमारजी के पुत्र चि. लालन को जन्मदिन (२०८१) । सप्तमी को क्षय होयवे सुं आज ।
८	मंगल	24	होलिकाष्टकारम्भ ।
९	बुध	25	----
१०	गुरु	26	----
११	शुक्र	27	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी ।
१२	शनि	28	----
१३	रवि	01	मार्च । बगीचा तेरस ।
१४	सोम	02	होलि कोत्सव । होलिका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग के भद्रा निवृत्ति ५.२३ पश्चात तथा सूर्योदययात् ६.५७ पूर्व करनो ।
१५	मंगल	03	धुरेण्डी । दोलोत्सव । ग्रस्तोदत खग्रास चंद्र ग्रहण निर्णय पृष्ठ २९ में देखे ।

Scanned with CamScanner

चैत्र कृष्ण पक्ष (गुज. फागण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत २०८२			मार्च - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	04	इष्टिः । द्वितीया पाट । शीतकालीन सेवा समाप्त ।
२	गुरु	05	----
३	शुक्र	06	----
४	शनि	07	----
५	रवि	08	रंगपंचमी ।
६	सोम	09	----
७	मंगल	10	----
८	बुध	11	----
९	गुरु	12	गुप्त उत्सव ।
१०	शुक्र	13	दशमी वृध्धि तिथि ।
१०	शनि	14	----
११	रवि	15	पापमोचनी एकादशी व्रत ।
१२	सोम	16	----
१३	मंगल	17	----
१४	बुध	18	षष्ठ पुत्र श्री यदुनाथजी एवं आपके ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) के उत्सव की बधाई ।
३०	गुरु	19	इष्टिः । दर्श अमावस्या । वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात् । प्रतिपदा का क्षय होयवे सुं आज संवत्सौत्सव, गुडी पडवा, चैत्री नवरात्री आरंभ ।

Scanned with CamScanner

खग्रास चन्द्रग्रहण

ग्रहण का समय (भारतीय स्टा. समय अनुसार)

ग्रहण को वेध - भादों शुक्ल १५, ७ सितंबर, रविवार दिन क. मि. ९.२६ (07.09.2025 - 9.26 AM IST)			
स्पर्श रात्रि - २१.५७ दि. ७	मध्य - २३.४२ दि. ७	मोक्ष रात्रि - १.२६ दि. ८	पर्व काल - ३.२९ घंटे

नियम :

संवत् २०८२, भादों शुक्ल १५ रविवार दिनांक ०७/०९/२०२५ के दिन सुबह ९ बज के ५७ मिनट से वेध लग जाएगा । रविवार के दिन ९.२६ पूर्व ही भोजन कर पाएंगे । शाम के ६ बज के ४७ मिनट पूर्व ही जलपान हो सकेगा । छोटे बालक, वृद्ध, रोगी एवं गर्भवती शाम ६ बज के ४७ मिनट तक भोजन और जलपान ले सकते है । यह विधान है ।

सेवाक्रम :

संवत् २०८२, भादों शुक्ल १५, रविवार दिनांक ०७/०९/२०२५ दिन वैष्णवो को गृहसेवा में ग्रहण स्पर्श से पूर्व शयन पर्यंत की सेवा से पहुँचकर ग्रहण स्पर्श से ५ मिनट पूर्व झारीजी एवं बंटाजी पटवस्त्र (रेशमी कपडा) से सरा लेने तथा श्री के सेवोपयोगी साहित्य, भंडार एवं घर में सभी पदार्थ पर दर्भ पधराने । गादी-तकिया एवं शैयाजी पर कोरी सफेदी बिछानी । ग्रहण मोक्ष के बाद स्नान कर के दर्भ उठाने एवं पुनः स्नानादी से निवृत होकर जनेऊ कंठी नये धारण करने । अपरस में स्नान करके झारीजी एवं बंटाजी भर के पुनः शैयाजी के पास पधराने ।

रात्रि एवं ग्रहण समय गृहसेवा के प्रकार में श्री को जगाने नहीं । दूसरे दिन नित्य क्रम अनुसार प्रातःकाल श्री को जगा कार गुरु आज्ञा अनुसार स्नान कराकर मंगलभोग धरें एवं श्रमभोग अवश्य धरें ।

श्री कल्याणराय प्रभु एवं षष्ठगृह-बडौदा अंतर्गत के सभी हवेली-मंदिर में राजभोग प्रातः ९ बजे पूर्व ही सर जाये तथा उत्थापन ऐसे समय पर करवाने की सांझ के ६ बजे तक शयन आरती पर्यंत की सेवा हो जाए । ६ बजे अनवसर करने । शयनभोग की सखडी गायन को जाय । रात्रि के ९

Scanned with CamScanner

बजके १५ मिनट पर श्री कु शंखनाद कर ग्रहण निमित्त जगावने और रीति अनुसार सूको मेवा, दूधघर प्रभृति धरने । स्पर्श की ५ मिनट पूर्व दूधघर को भोग उठाय झारी बंटा हूँ पटवस्त्र सु उठावने । दर्शन खोल के जप आदि करने । रात्रि ११ बजके ४२ मिनट के पीछे श्री प्रभु के आगे दान को संकल्प करनो । मोक्ष भये पीछे स्नानादी करके शुद्ध होय नवीन जल सू झारी भरनी । श्री कुं स्नान करवाय के ग्रहण पीछे की अनसखडी भोग तथा मंगलभोग संग ही धरनो । तदन्तर नित्य क्रम के अनुसार राजभोग पर्यन्त की सेवा पहुँचकर अनवसर करवाने ।

Scanned with CamScanner

श्राद्धपक्ष को निर्णय
भाद्रपद शुक्ल पक्ष १, सोमवार से आश्विन पक्ष १, सोमवार तक
(दिनांक 08.09.2025 से 22.09.2025 तक)

तिथि	वार	दिनांक	श्राद्ध
आ.कृ. १	सोम	०८.०९	प्रतिपदा (एकम्) को श्राद्ध
आ.कृ. २	मंगल	०९.०९	द्वितीया (दूज) को श्राद्ध
आ.कृ. ३	बुध	१०.०९	तृतीया एवं चतुर्थी (तीज एवं चौथ) को श्राद्ध
आ.कृ. ४	गुरु	११.०९	पंचमी (पाचम) को श्राद्ध एवं भरणी श्राद्ध
आ.कृ.५	शुक्र	१२.०९	षष्ठी (छठ) को श्राध्ध
आ.कृ.६	शनि	१३.०८	सप्तमी (सातम) को श्राद्ध
आ.कृ.८	रवि	१४.०९	अष्टमी (आठम) को श्राद्ध एवं व्यतीपात श्राद्ध
आ.कृ.८	सोम	१५.०९	नवमी (नवम) को श्राद्ध व अविधवा नवमी
आ.कृ.१०	मंगल	१६.०९	दशमी (दशम) को श्राद्ध
आ.कृ.११	बुध	१७.०९	एकादशी (ग्यारस) को श्राद्ध
आ.कृ.१२	गुरु	१८.०९	द्वादशी (बारस) को श्राद्ध एवं सन्यासीन को श्राद्ध एवं मघा श्राद्ध
आ.कृ.१३	शुक्र	१९.०९	त्रयोदशी (तेरस) को श्राद्ध
आ.कृ.१४	शनि	२०.०९	चतुर्दशी (चौदस) निमित्तक घायलन को श्राद्ध, जल शस्त्र आदि सूं मरण पायो होय उनके ही या दिन श्राद्ध, मघा श्राद्ध
आ.कृ.३०	रवि	२१.०९	अमावस तथा सर्वपितृ को श्राद्ध
आ.शु.१	सोम	२२.०९	मातामह श्राद्ध

विशेष : १. जाकी मरण तिथि चतुर्दशी अथवा पूर्णिमा होय ताको महालय श्राद्ध अष्टमी, द्वादशी, अमावस्या, व्यतीपात या में सूं कोई भी दिन करनो प्रशस्त है ।

२. नवमी सोम कूं व्यतीपात योग होय वे सूं यह दिवस श्राद्धादिक में विशेष प्रशस्त है ।

कोई भी तिथि को श्राद्ध रहि गयो होय या रही जायवे को सम्भव होय तो ताको श्राद्ध या दिवस करनो ।

।। इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ।।

Scanned with CamScanner

श्राद्धपक्ष को संकल्प

ॐ विष्णु: ३ श्रीमद् भगवतो महापुरुषस्य विष्णोरज्ञया प्रर्वत्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे वैवस्वत मन्वन्तरेऽष्टा विंशति तमे कलियुगे कलि प्रथम चरणे भूर्लोके जंबूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गते ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे कालनाम्नि द्वयशीति: अधिक द्विसहस्त्र संख्या के वैक्रमाब्दे शकानुसारेण विश्वावसु नाम्नि संवत्से दक्षिणायने शरद ऋतौ आश्विन मासे (गुर्जर भाद्रपद मासे) कृष्णपक्षे अमुक तिथौ वासरान्वितायां नक्षत्र, योगे, करणे अमुक राशि स्थिते श्रीसूर्ये, सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये एकादशीत: कन्या राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्वेवं ग्रह गुणा विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम (नाम सम्बन्धोच्चारण) एतेषां यथानाम् गोत्र रुपाणां पुरुष विषये सपत्नीकानां स्त्रीविषये सभर्तृक सपत्न्याम् विधिना महालयापर पक्ष श्राद्धमथवा सकृन्महालया पर पक्ष श्राद्ध सदैव सद्य: करिष्ये ।

Scanned with CamScanner

ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण

ग्रहण का समय (भारतीय स्टा. समय अनुसार)

ग्रहण को वेध फाल्गुन शुक्ल १४, ३ मार्च सोमवार रात्रि क.मि. ३.५२ यानी दिनांक (03.03.2026 - 3.52 AM IST)					
स्पर्श दोपहर - ३.२०	मध्य सांझ - ५.३३	मोक्ष सांझ - ६.४८ घंटे	पर्व काल - ३.२७ घंटे	चंन्द्रोदय - ६.४२ घंटे	दृश्यपर्व - ४ मिनट २६ सेकंड

नियम :

संवत् २०८२, फाल्गुन शुक्ल १५, मंगलवार दिनांक ३ मार्च २०२६ की पीछली रात्रि यानि २४, सोमवार की रात्रि ३ बजके ५२ मिनट पर वेध लग जाएगा। मंगलवार दिन के १ बजके ५२ मिनट पूर्व ही जलपान कर पांएगे छोट बालक, वृध्ध, रोगी एवं गर्भवती मंगलवार दिन के १.५२ पूर्व भोजन एवं जलपान ले सकते है। यह निधान है।

विशेष सूचना :

भारत देश के कुछ प्रदेश एवं पूर्व एशिया, जापान, रशिया का मध्य एवं पूर्व प्रदेश, ओस्ट्रेलिया, न्युझीलेंड संपूर्ण अमेरिका, केनेडा, ग्रीनलेंड, दक्षिण अमेरिका व अंटार्कटिका के कुछ प्रदेश में यह ग्रहण दिखेगा। यह खग्रास ग्रहण होयवे सुं भारत के पूर्वी सीमांत से दार्जीलिंग एवं कलकत्ता से कुछ पूर्व तक ग्रस्तोदित खग्रास दिखेगा। बाडमेर कि बाद शेष पश्चिमी राजस्थान, गुजरात में राजकोट, वेरावड, पोरबंदर, अमदावाद, बडौदा, जामनगर, जूनागढ, गांधिधाम एवं अन्य प्रदेशो में सांझ कुं ६ बजके ४८ पश्चात सूर्यास्त होयवेसुं यह प्रदेशों में ग्रहण नहीं दिखेगा। यह प्रदेश में ग्रहण के कोई नियम लागू नहीं होंगे व पालना नहीं है।

Scanned with CamScanner

सेवाक्रम :

संवत २०८२, फाल्गुन शुक्ल १५, मंगलवार दिनांक ३ मर्चा सन् २०२६ के दिन जिस क्षेत्र में ग्रहण दिखाई देगा और पालना है वहाँ वैष्णवो को गृह सेवा में ग्रहण स्पर्श से पूर्व शयन पर्यंत की सेवा से पहुँच कर ग्रहण स्पर्श से ५ मिनट पूर्व झारीजी एवं बंटाजी पटवस्त्र (रेशमी कपडा) से सरा लेने तथा श्री प्रभु के सेवोपयोगी साहित्य, भंडार एवं घर में सभी पदार्थ पर दर्भ पधराने । गादी-तकिया एवं शैयाजी पे कोरी सफेदी बिछानी । ग्रहण मोक्ष के बाद स्नान कर के दर्भ उठाने एवं पुनः स्नानादि से निवृत्त हो कर जनेउ कंठी नथे धारण करने । अपरस में स्नान करके झारीजी एवं बंटाजी भर के पुनः शैयाजी के पास पधराना । ग्रहण समय गृहसेवा के प्रकार में श्री प्रभु को जगाने नहीं । दूसरे दिन श्री प्रभु को जगाकर गुरु आज्ञा अनुसार स्नान कराकर मंगलभोग धरें श्रमभोग अवश्य धरें ।

षष्ठगृह बडौदा अंतर्गत के सभी हवेली - मंदिर जहाँ ग्रहण दिखाई देगा । वहाँ डोलोत्सव की सब सेवा दिन के १२ बजे पर्यंत पहुँच लेनी एवं चालू सेवा राखि के दिन के २ बजके ३० मिनट पूर्व संध्या आरती पर्यंत की सेवा पहुँचनी । राजभोग की सखडी गायन कुं जाय । संध्या आरती पश्चात ग्रहण स्पर्श के ५ मिनट पूर्व झारीजी एवं बंटाजी सराय के सूको मेवा आदि दूधघर धरने । सांझ कुं ५ बजके ४ मिनट के पीछे श्री प्रभु के सन्मुख दान को संकल्प करनो । ग्रहण मोक्ष भये पीछे चार-पाँच मिनट ठहर के स्नानादिक करके शुध्ध होय के नवीन जल सूं झारीजी भरनी । श्री प्रभु को स्नान करवाय के ग्रहण पीछे को श्रम भोग एवं शयन भोग भेलो धरनो । तदन्तर नित्य क्रम सुं सेवा पहुँचनी ।

Scanned with CamScanner

वर्ष पर्यंत की एकादशी

दिनांक	वार	तिथि	एकादशी
08.04.2025	मंगलवार	चैत्र सुद	कामदा एकादशी
24.04.2025	गुरुवार	चैत्र वद	वरुथिनी एकादशी
08.05.2025	गुरुवार	वैशाख सुद	मोहिनी एकादशी
23.05.2025	शुक्रवार	वैशाख वद	अपरा एकादशी
06.06.2025	शुक्रवार	ज्येष्ठ सुद	निर्जला एकादशी
22.06.2025	रविवार	ज्येष्ठ वद	योगिनी एकादशी
06.07.2025	रविवार	अषाढ सुद	देवशयनी एकादशी
21.07.2025	सोमवार	अषाढ वद	कामिका एकादशी
05.08.2025	मंगलवार	श्रावण सुद	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
19.08.2025	मंगलवार	श्रावण वद	अजा एकादशी
03.09.2025	बुधवार	भादरवा सुद	परिवर्तिनी (दान) एकादशी
17.09.2025	बुधवार	भादरवा वद	इन्दिरा एकादशी
03.10.2025	शुक्रवार	आसो सुद	पाशांकुशा एकादशी
17.10.2025	शुक्रवार	आसो वद	रमा एकादशी
02.11.2025	रविवार	कार्तक सुद	देव प्रबोधिनी एकादशी (तुलसी विवाह)
15.11.2025	शुक्रवार	कार्तक वद	उत्पत्ति एकादशी
01.12.2025	सोमवार	मागशर सुद	मोक्षदा एकादशी
31.12.2025	सोमवार	मागशर वद	सफला एकादशी
14.01.2026	बुधवार	पोष सुद	पुत्रदा एकादशी
29.01.2026	शुक्रवार	पोष वद	षट्तिला एकादशी
13.02.2026	शुक्रवार	महा सुद	जया एकादशी
27.02.2026	शुक्रवार	महा वद	विजया एकादशी
15.03.2026	रविवार	फागण सुद	पापमोचनी एकादशी
29.03.2026	रविवार	फागण वद	आमलकी (कुंज) एकादशी

Scanned with CamScanner

।। श्री कृष्णाय नमः ।।

वर्ष पर्यन्त के तिलक एवं पीताम्बर की सूचि

उत्सव	तिलक	पीताम्बर	समय	विशेष
जन्माष्टमी	✓	✓	श्रृंगार	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही पंचामृत समय चोकी पे तिलक होय
राधाष्टमी	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही
वामन जयंति	-	✓	राजभोग	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
दशहरा	✓	-	निर्णय अनुसार	सभी स्वरुप कुं तिलक होवें
रुप चर्तुदशी	✓	-	अभ्यंग समय	अभ्यंग समय स्नान चोकी पे तिलक होय
अन्नकुट	✓	-	भोग समय	शिखर, गुंजा पधराके तिलक करनो
भाई दुज	✓	-	राजभोग आरोगे तब	थाल सान के तिलक होय
प्रबोधिनी	-	-	निर्णय अनुसार	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय
श्री गुसांईजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
श्री यदुनाथजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
रामनवमी जयंति	-	✓	शयन	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
श्री महाप्रभुजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
नृसिंह जयंति	-	✓	संध्या	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही,और सर्वत्र धरें
स्ननानयात्रा	✓	-	स्नान समय	सवेरे स्नान समय चोकी पे तिलक होय
रक्षाबंधन	✓	-	निर्णय अनुसार	रक्षा धरे तब

Scanned with CamScanner

वर्ष पर्यन्त के श्री प्रभुके अभ्यंग की सूचि

१. जन्माष्टमी

२. राधाष्टमी

३. वामन जयंति

जो दान एकादशी तथा वामन जयंति अलग होय तो वामन जयंति-द्वादशी कुं करने

४. प्रथम विलास

५. दशहरा

६. रुपचर्तुदशी

७. भाईदुज

८. प्रबोधीनी

९. श्री गुंसाईजी को उत्सव

१०. भोगी संक्रान्त

११. वसंत पंचमी

१२. होरी डंडारोपण (पूर्णिमा)

१३. होरी

१४. द्वितीया पाटोत्सव

१५. श्री यदुनाथजी को उत्सव

१६. राम नवमी

१७. श्री महाप्रभुजी को उत्सव

१८. अक्षय तृतीया

१९. नृसिंह जयंति

२०. गंगा दशमी

२१. रथयात्रा

२२. कसुंबा छठ्ठ

२३. आषाढी पूर्णिमा

२४. पवित्रा एकादशी

२५. रक्षाबंधन

Scanned with CamScanner

प्रधान षष्ठगृह की वंशावली

जगद्गुरु श्रीमद् श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु (सवंत १५३५)

↓

श्री विट्ठलनाथजी गुसांइजी (सवंत १५७२)

↓

षष्ठ कुमार श्री यदुनाथजी महाराज (सवंत १६१५)

↓

ष.गृ.ति. २ श्री मधुसूधनजी(१६३४)

↓

ष.गृ.ति. ३ श्री प्रद्युमनजी (१६६०)

↓

ष.गृ.ति. ४ श्री विट्ठलनाथजी (१७१७)

↓

ष.गृ.ति. ५ श्री प्रद्युमनजी (१७६२)

↓

ष.गृ.ति. ६ श्री यदुनाथजी (१७८३)

↓

ष.गृ.ति. ७ श्री गोकुलनाथजी (१८१७)

↓

ष.गृ.ति. ८ श्री प्रद्युमनजी (१८३६)

↓

ष.गृ.ति. ९ श्री यदुनाथजी (१८६९)

↓

ष.गृ.ति. १० श्री वल्लभजी (१९०७)

↓

ष.गृ.ति. ११ श्री गिरधरलालजी (१९२३)

↓

ष.गृ.ति. १२ श्री वल्लभलालजी (१९६२)

↓

ष.गृ.ति. १३ श्री गिरधरलालजी
(श्री द्वारकेशलालजी) (२०२४)

↓

श्री वल्लभलालजी (चि आश्रयकुमारजी) (२०५३)

↓

श्री यदुपतिजी (चि यदुराजजी) (२०७७)

श्री पद्युमनजी (चि कृष्णराजजी) (२०८१)

श्री विट्ठलनाथजी (चि शरणमकुमारजी) (२०५६)

↓

श्री चि लालन (२०८१)

Scanned with CamScanner

।। अथ श्री कल्याणरायाष्टकम ।।

आभीरनारी नयनोत्सवाय वृंदावनीयाद्भूतनर्तकाय ।
पूर्णेन्दु रासोत्सवमंगलाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। १ ।।

गोपांगनामण्डलमण्डिताय हस्ताब्जवंशी सुविभूषिताय ।
कल्याणरागेङ्गीतभावनाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। २ ।।

गोचारणव्याजवनेचराय रासेश्वरीमानह्रदिश्वराय ।
ब्रह्मेशदेवेश जनेश्वराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ३ ।।

वृन्दाटवीकुंजनिषेविताय गोपांगनाभावविभाविताय ।
लीलाविलासे पशुपांगजाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ४ ।।

श्रीराधिकामुग्ध विलोचनाय लावण्यलक्ष्मीमवलंबिताय ।
द्वैतस्य भाने विमलाद्वयाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ५ ।।

श्री कौस्तुभालंकृतविग्रहाय कालप्रभावे कृतनिग्रहाय ।
श्रीवल्लभानुग्रहसंग्रहाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ६ ।।

Scanned with CamScanner

मुक्तावलीभूषणभूषिताय राजीवनेत्राय चतुर्भुजाय ।
पीताम्बरायोन्नतकंधराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ७ ।।

व्रजेश्वरानन्दफलप्रदाय भक्ताभिलाषापरिपूरकाय ।
स्वीयेषु कामं सकलेष्टदाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ।। ८ ।।

कल्याणरायाष्टकमेतदेव भावेन नित्यं प्रपठेज्जनो यः ।
तस्याशुतुष्टः सकलेष्टदः स्यादेतेन कल्याणनिधिं प्रपध्ये ।। ९ ।।

इति श्री वल्लभाचार्यदासदासेन भाषितम् ।
श्रीमत्कल्याणरायाणामष्टकं पूर्णतामगात् ।। १० ।।

।। श्री कल्याणमस्तु ।।

कर्ता – तृ.पी.गो. १०८ श्री व्रजेशकुमारजी महाराजश्री
(कांकरोली)

Scanned with CamScanner

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ

Scanned with CamScanner

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत व्रज के मास सूं देखने । तीज-तेरस, चौथ-चौदश, पंचमी-पून्यो एक जाननो, अमावस तजनी । वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय ।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थ पूर्ण होय, मनोरथ सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	कलेश-जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदाचित् घर आवें
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य, रत्न-सहित, भलि-भाँति सूं घर आवें
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ

Scanned with CamScanner

।। श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ।।

विश्व एवं भारतवर्ष में शुद्धाद्वैत पुष्टि भक्तिमार्ग के माध्यम से धर्म - संस्कार एवं समाज के कार्यो में प्रर्वत श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ अंतर्गत प्रमुख हवेली एवं संस्थान ।

भारत

* श्री कल्याणरायजी हवेली - बडौदा ।
* श्री गोवर्धन गोपाल हवेली - घडीयाली पोल, बडौदा ।
* श्री वल्लभधाम - दूधेश्वर, आजवा रोड, बडौदा ।
* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - निझामपुरा, बडौदा ।
* नंदालय हवेली - गोत्री, बडौदा ।
* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - मांजलपुर, बडौदा ।
* कल्याणधाम हवेली - भायली, बडौदा ।
* कल्याण कृपा हवेली - तलसट, बडौदा ।
* पुष्टिधाम - गोधरा ।
* श्री महाप्रभुजी बेठकजी - नरोडा, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याण पुष्टि हवेली - वस्त्रापुर, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - ढाल की पोल, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणकृपा हवेली - नरोडा गाम, अहमदाबाद ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - गोकुल ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - जतीपुरा ।
* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - अमृतसर ।
* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - सिकंदराबाद ।
* श्री द्वारकाधिश मंदिर - झालरापाटन ।
* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - गोवर्धननाथजी मंदिर - विदिशा ।
* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - वृंदावन ।
* श्री कल्याणरायजी मंदिर - शेरगढ़ ।

विदेश

* गोकुलधाम हवेली - अेटलान्टा, यु.अेस.अे ।
* श्री वल्लभधाम हवेली - कनेकटीकट, यु.अेस.अे ।
* श्रीनाथजी हवेली - बेंसलेम, पी.अे., यु.अेस.अे ।
* श्रीनाथजी हवेली - न्यु हेवन, सी.टी., यु.अेस.अे ।
* नंदगाव हवेली - ऑस्टिन, टी.अेक्ष, यु.अेस.अे ।
* श्री द्वारकाधिश टेम्पल - पर्लिन, न्युजर्सि, यु.अेस.अे ।
* पुष्टिधाम हवेली - ओकाला, फलोरीडा, यु.अेस.अे ।
* श्रीमय क्रिष्णधाम - केलीफोर्निया, यु.अेस.अे ।
* श्रीजीद्वार हवेली - अेडीशन, शीकागो, यु.अेस.अे ।
* हिंदु सनातन मंदिर - वेम्बली, लेटनस्टोन, यु.अेस.अे ।
* श्री वल्लभनिधि, यु.के. ।
* श्रीजीधाम हवेली - लेस्टर, यु.के ।
* व्रज केनेडा - ब्रेंपटन, केनेडा ।

Scanned with CamScanner

॥ श्री कल्याणराय प्रभु र्विजयते ॥

श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ

"षष्ठपीठ", श्री कल्याणरायजी हवेली,
बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.
फोन नं.(0265) 2423322, 2426942
Email: kalyanraijimandir@outlook.com
श्री द्वाकेशलालजी महाराजश्री ओफिस
नं. 9988553341

Scanned with CamScanner